

༄༅། བོད་བྱིན་དང་བསྟན་པའི་ཚོགས་ལྷན་ཁག་སྟེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

<b>Work:</b>	W1KG12537	<b>ImageGroup:</b>	I1KG12566
<b>LCCN:</b>	78908898	<b>ISBN:</b>	n/a

<b>Title:</b>	གུར་གྱི་མགོན་པོའི་མན་ངག་ལས་ཚོགས་སྟོར། gur gyi mgon po'i man ngag las tshogs skor/
<b>Author:</b>	ངག་དབང་ཀུན་དགའ་བསོད་ནམས་ ngag dbang kun dga' bsod nams
<b>Descriptor:</b>	reproduced from rare texts from the library of his holiness the sa-skya khri-'dzin rin-po-che
<b>Original Publication:</b>	n/a;n/a
<b>Place:</b>	new delhi
<b>Publisher:</b>	t.g. dhongthog rinpoche
<b>Date:</b>	1978
<b>Volume:</b>	1
<b>Total Volumes:</b>	1
<b>TBRC Pages:</b>	2
<b>Introductory Pages:</b>	n/a
<b>Text Pages:</b>	n/a
<b>Scanning Information:</b>	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US. Comments: 6/2012







DESTRUCTIVE RITES FOR USE AGAINST THE ENEMY THROUGH THE PRACTICE OF  
THE MAHĀKĀLA VAJRAPAÑJARA SĀDHANA OF THE SA-SKYA-PA TRADITION

by

'Jam-mgon A-myes-zabs Nag-dban-kun-dga'-bsod-nams, Sñags-'chan chen-po Kun-dga'-rin-chen,  
and others of the tradition

Reproduced from rare texts from the library of His Holiness the Sa-skya Khri-'dzin Rin-po-che

New Delhi  
1978

With best compliments  
From: T. G. Dharghog

**Edited and published by T. G. Dhongthog Rinpoche, B1/23A, Hauz Khas,  
New Delhi.**



**Printed at the Mujeeb Press, Ballimaran, Delhi-110006**

**Price : Rs. 30/-**

## PREFACE

The two texts reproduced here are concerned with the destructive practices focussed against the enemies of the dharma attained through the invocation and propitiation of Mahākāla in the form Vajrapañjara. These teachings have been passed from ancient times in the 'Khon lineage of Sa-skya and are highly effective when practiced by a personage of spiritual attainment. Needless to say, these rites should not be attempted by the uninitiate.







## CONTENTS

1. Rdo rje Gur gyi ngon po'i las tshogs gtor ma la brten ciñ dgra bsad pa'i man nag drug cu pa'i cho ga'i rten gzi'i yi ge  
rñiñ pa'i don rnam dris lan gyi sgo nas lega bsad log rtog 'joms byed (Nag po rnam bsad).

Author : 'Jam-mgon A-myes-zabs Nag-dbañ kun-dga'-bsod-nams (b. 1597).

1-19
2. Gur gyi ngon po Khro beu'i sruñ 'khor rdo rje'i brag rdzon bar chad kun sel (Nag po sgrub chog).  
Various authors.

21-61



學

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五十六

423

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

۱۴۲۸

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]

食

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खपादाद्विवर्धिताम् । अहं तस्मात्पश्येम ह्यर्जुन यदुचितम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





		<p> ॐ ॐ            नमो भगवते वासुदेवाय ॥            नमो भगवते वासुदेवाय ॥          </p>		<p>२१</p>
--	--	---	--	-----------



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

५५  
 ५६  
 ५७  
 ५८  
 ५९  
 ६०  
 ६१  
 ६२  
 ६३  
 ६४  
 ६५  
 ६६  
 ६७  
 ६८  
 ६९  
 ७०  
 ७१  
 ७२  
 ७३  
 ७४  
 ७५  
 ७६  
 ७७  
 ७८  
 ७९  
 ८०  
 ८१  
 ८२  
 ८३  
 ८४  
 ८५  
 ८६  
 ८७  
 ८८  
 ८९  
 ९०  
 ९१  
 ९२  
 ९३  
 ९४  
 ९५  
 ९६  
 ९७  
 ९८  
 ९९  
 १००



[illegible]

[illegible]





[illegible]



[illegible]

॥ ५ ॥  
 ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]







